Patrika (Indore), 25th October 2026, Page – 04

एमपी सेमीकंडक्टर समिट 2026 का समापन, राउंड टेबल बैठकें हुईं

सेमीकंडक्टर का हब बनेगा मप्र, एमएसएमई-स्किल डेवलपमेंट पर मंथन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com



इंदौर. दो दिवसीय मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट 2026 का शनिवार को ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में समापन हुआ। दूसरे दिन सेमीकंडक्टर, फोटोनिक्स, क्वांटम तकनीक और एमएसएमई सशक्तिकरण पर राउंड टेबल बैठकों का आयोजन हुआ। इनमें प्रमुख उद्योगपतियों और विशेषज्ञों ने प्रदेश में इन तकनीकों के लिए बेहतर इकोसिस्टम विकसित करने तथा स्वदेशी तकनीक एवं उत्पादों के विकास पर विचार रखे।

मालूम हो, प्रदेश में सेमीकंडक्टर, फोटोनिक्स, क्वांटम तकनीक और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र के लिए मजबूत और आत्मनिर्भर इकोसिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को सीएम डॉ. मोहन यादव ने समिट का शुभारंभ किया था। प्रथम राउंड टेबल बैठक की अध्यक्षता करते हुए एमपीएसईडीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर अंशुमन राज ने कहा कि चर्चा का उद्देश्य उद्योगों की जरूरतों को समझना तथा शैक्षणिक संस्थानों और सरकार के माध्यम से आवश्यक सहयोग, सुविधाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर विचार करना है। आइआइटी खड़गपुर के प्रोफेसर शीलेन्द्र कुमार ने प्रदेश की भौगोलिक स्थिति के संदर्भ में इन क्षेत्रों के विकास की संभावनाएं बताईं। उन्होंने उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों एवं सरकार के बीच समन्वय, स्वदेशी तकनीकों के विकास, अनुसंधान को व्यावहारिक उत्पादों में बदलने तथा प्रशिक्षण के संबंध में विचार रखे। आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर मुकेश कुमार ने ओपन सेशन में प्रतिभागियों से स्थानीय तकनीकी क्षमताओं के विकास, प्रशिक्षण, समन्वय एवं सहयोग पर सुझाव आमंत्रित किए।

विकसित करें कौशल

स्थानीय युवाओं के कौशल विकास और प्रशिक्षण को प्राथमिकता पर चर्चा में आइटीआइ, पॉलिटेक्निक एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को सेमीकंडक्टर उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण देने पर विचार किया गया। इंजीनियरिंग शिक्षा के साथ इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग, सिग्नल मापन, परीक्षण और पैकेजिंग जैसे व्यावहारिक कौशल विकसित करने के संबंध में भी सुझाव दिए गए। रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप अनुसंधान परियोजनाएं बनाने और संस्थानों को उपकरण एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ।

सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन के निर्माण पर जोर

द्वितीय राउंड टेबल बैठक की अध्यक्षता लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के सचिव जॉन किंग्सले ने की। इस दौरान प्रदेश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण और लघु एवं मध्यम उद्योगों के सशक्तिकरण, राज्य को सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग का प्रमुख केंद्र बनाने पर चर्चा हुई। उद्योगपतियों, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों ने राज्य में सशक्त सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन के निर्माण पर जोर दिया। प्रतिभागियों ने एमएसएमई की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीकों, वित्तीय सहायता और बाजार के नए अवसरों तक सुलभ पहुंच की आवश्यकता को रेखांकित किया। उद्योगों के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने के लिए आइआइटी इंदौर व अन्य तकनीकी संस्थानों के सहयोग से विशेष कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने पर सहमति बनी। इसके तहत मल्टीलेयर पीसीबी विनिर्माण, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग तकनीकों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

युवाओं के लिए बनेंगे अवसर

विशेषज्ञों ने कहा कि प्रदेश में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए सरकार, उद्योग, एमएसएमई और शैक्षणिक संस्थानों का साथ आना जरूरी है। तकनीकी दक्षताओं, औद्योगिक अधोसंरचना, वित्तीय सुलभता और बाजार तंत्र को सुदृढ़ करके न केवल एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। समापन सत्र में प्रो. योगेश चौहान आइआइटी कानपुर सहित अन्य ने सहभागिता की। प्रतिनिधि ने कहा कि प्रदेश में अच्छे शिक्षा संस्थान, आइटी कंपनियां, कॉर्पोरेट्स, बेहतर सड़कें और कनेक्टिविटी है। सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में प्रदेश के विद्यार्थी रुचि दिखा रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि भारत की चिप निर्माण कंपनियों को एआइ से जुड़कर और अधिक एडवांस होने की आवश्यकता है। एआइ की ताकत को हम नकार नहीं सकते। हमारे विद्यार्थियों में बुनियादी ज्ञान है और उसे परिष्कृत करने की आवश्यकता है। समापन सत्र में सेमीकंडक्टर चिप निर्माण के क्षेत्र में कार्य करने वाले कॉर्पोरेट्स, इंजीनियर्स आदि उपस्थित रहे।